प्रारम्भिक सम्बोधन

माननीय सदस्यगण,

पंचदश बिहार विधान सभा के षष्ठम् सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर मैं आप सबों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान पाँच बैठकें होगी, जिनमें राजकीय विधेयक, गैर सरकारी संकल्प तथा वित्तीय वर्ष **2012-13** के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी के व्यवस्थापन का कार्यक्रम प्रस्तावित है ।

माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय एसेम्बली भूटान के आमंत्रण पर अध्यक्ष, बिहार विधान सभा के नेतृत्व में बिहार विधान मण्डल के नौ सदस्यीय शिष्टमण्डल ने दिनांक **20** जून से **29** जून, **2012** तक भूटान की यात्रा की थी, जिनमें माननीय उप-सभापति, बिहार विधान परिषद् के अतिरिक्त बिहार विधान मण्डल के सात माननीय सदस्य सम्मिलित थे । भारत के साथ भूटान का संबंध ऐतिहासिक ही नहीं वरन् बहुत ही गहरा रहा है । भारत एवं भूटान के बीच दिनांक **28** जुलाई, **1906** को एक समझौता हुआ, जिससे भारत के लोग भूटान में और भूटान के लोग भारत में आसानी से आ-जा सकते हैं और आसानी से व्यापार कर सकते हैं । भूटान के लोग बौद्धिज्म में विश्वास करते हैं । बिहार के बोध गया से उनका आध्यात्मिक ही नहीं वरन् सांस्कृतिक एवं बौद्धिक लगाव है, जिससे उनके मन में बोध गया आने की इच्छा हमेशा बलवती होती रहती है । भूटान और भारत दो देश है, परन्तु दोनों का दिल एक ही है और दोनों परस्पर सहयोग से संसदीय प्रणाली को विकसित करने के इच्छुक हैं । नेशनल एसेम्बली भूटान के अध्यक्ष महोदय द्वारा नेशनल एसेम्बली में व्यक्त किये गये निम्न उद्गार इसका अभिशिष्ट है :-

" Bhutan and India share lots of cultural and geographical similarities. We hope that this visit will further build upon the strong relation nurtured by our beloved monarchs. Bihar is a home for Buddhist heritage and the people of Bihar has played vital role in preserving and promoting this rich religious heritage. We would also like to thank the people and government of Bihar for providing security and other amenities to the Bhutanese people visiting Bihar on pilgrimage.

I have a strong conviction that this will further strengthen the relations between Bhutan and India. "

भूटान की सरकार एवं जन समुदाय में बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं बिहार के आम नागरिकों के प्रति काफी सम्मान एवं लगाव है जो शिष्टमंडल को अपनी भूटान यात्रा में देखने को मिला । हम भूटान के साथ सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं भाईचारे के रिश्ते को और मजबूत कर भूटान एवं भारत के साथ हुए समझौते को यादगार बनायेंगे ।

देश एवं राज्य का भविष्य उनकी विधायी संस्थाओं के सफल कार्य-कलाप पर निर्भर करता है । आधुनिक समय में लोगों की बढ़ती हुई आशाओं और इच्छाओं को पूरा करने के लिए सांसदों/विधायकों का उत्तरदायित्व बढ़ता जा रहा है । बिहार में न्याय के साथ विकास की गति जैसे-जैसे बढ़ रही है, उसी क्रम में जन

आकांक्षाओं एवं आशाओं में भी अभिवृद्धि हो रही है, जिसे आप सभी के सहयोग से ही पूरा किया जा सकता है ।

राज्य सरकार द्वारा बिहार में अन्य आधारभूत संरचनाओं के साथ साइंस सिटी की स्थापना की भी कार्रवाई प्रारम्भ की गई है, जो बिहार के विकास के क्षेत्र में अद्‌भूत प्रयास है ।

मुझे आशा है कि संसदीय मर्यादाओं का अनुपालन करते हुये आप सभी सदन के अन्दर प्रश्न-काल, ध्यानाकर्षण एवं अन्य अवसरों का पूरा लाभ उठायेंगे और अपनी विधायी क्षमता का उपयोग करेगें, जिससे विकसित बिहार बनाने का लक्ष्य प्राप्त हो सकेगा ।

पूर्व की भाँति सदन में प्रश्नोत्तर-काल का आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं विभिन्न स्थानीय चैनलों से सीधा एवं डेफर्ड प्रसारण कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे सदन में आपकी गतिविधियों से बिहार का आम अवाम सीधा रू-ब-रू हो सके ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि सदन के संचालन में आप सभी का सकारात्मक सहयोग प्राप्त होगा ।

धन्यवाद !